

Wossidlo, Walther

- | | | |
|---|----|------------|
| Richard Wagner, Götterdämmerung. Populär.
Führer durch Poesie in Musik.
Leipzig [1899]. 20 S. | 8° | MB 8° 8784 |
| (= Wossidlo's Opern-Bibliothek. No. 10.) | | |
| R. Leoncavallo, Bajazet. Populärer Führer durch
Poesie in Musik.
Leipzig [1899]. 19 S. | 8° | MB 8° 8772 |
| (= Wossidlo's Opern-Bibliothek. No. 13.) | | |
| E. N. Méhul, Joseph in Aegypten. Populärer
Führer durch Poesie in Musik.
Leipzig o. J. [um 1905]. 15 S. | 8° | MB 8° 8788 |
| (= Wossidlo's Oratorien - Bibliothek. No 205.) | | |
| Johann Strauß, Der lustige Krieg. Populärer
Führer durch Poesie in Musik.
Leipzig [1908]. 19 S. | 8° | MB 8° 8787 |
| (= Wossidlo's Operetten - Bibliothek. No 307.) | | |
| Peter Cornelius, Der Barbier von Bagdad. Popu-
lärer Führer durch Poesie in Musik.
Leipzig [1900]. 24 S. mit
Notenbeisp. | 8° | MB 8° 8768 |
| (= Wossidlo's Opern-Bibliothek. No 62.) | | |